आपातकालीन संघर्ष कथा

आपातकाल की 50वें वर्ष के
अवसर पर आयोजित

विचार विनिमय न्यास सभागार
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, केशव कुंज, दिल्ली

समय के रथ का घर्घर-नाद सुनो,
न खाली करो कि जनता आती है।
हां,मिट्टी की अबोध मूरतें वही,
ले की कसक सदा सहनेवाली,
न कभी मुंह खोल दर्द कहने वाली।
हां,लंबी – बडी जीभ की वही कसम,
,सचमुच ही, बडी वेदना सहती है।" "
क,मगर,आखिर,इस पर जनमत क्या है?"
गूढ़ जनता इस पर क्या कहती है?"
जनता ही फूल जिसे अहसास नहीं,
ाहो तभी उतार सजा लो दोनों में;
न कोई दूधमुंही जिसे बहलाने के
न होता भूडोल, बवंडर उठते हैं,
न जब कोपाकुल हो भृकुटि चढाती है;
हुंकारों से महलों की नींव उखड़ जाती,
सांसों के बल से ताज हवा में उड़ता है,
जनता की रोके राह,समय में ताव कहां?
वह जिधर चाहती,काल उधर ही मुड़ता है।
अब्दों, शताब्दियों, सहस्त्राब्द का अंधकार बीता;
गवाक्ष अंबर के दहके जाते हैं; यह और नहीं कोई,
जनता के स्वप्न अजय चीरते तिमिर का वक्ष उमड़ते जाते हैं।
सब से विराट जनतंत्र जगत का आ पहुंचा,
कोटि-हित सिंहासन तय करो
आज राजा का नहीं,प्रजा का है,
जनता के सिर पर मुकुट धरो।
राजप्रासादों में, तहखानों में?
खलिहानों में।
सजाती है;
कि जनता आती है।

कथा वाचिका
डॉ. शोभना राधाकृष्ण
श्रीमती

आपातकालीन संघर्ष कथा
कथा वाचिका
25 जून 2025
5:00 बजे से 6:45 बजे
विचार विनिमय
9वां तल
एवं टीम
अवसर पर आयोजित

मुख्य अतिथि
माननीय नरेंद्र जी
खिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख, रा. स्व. संघ
Blocked option
EXPRESS
काल की 50वीं

पटना विश्वविद्यालय में जे.पी.

18 th APR. 1904 - 5

नारायण साथ में के.एस.राधाकृष्ण

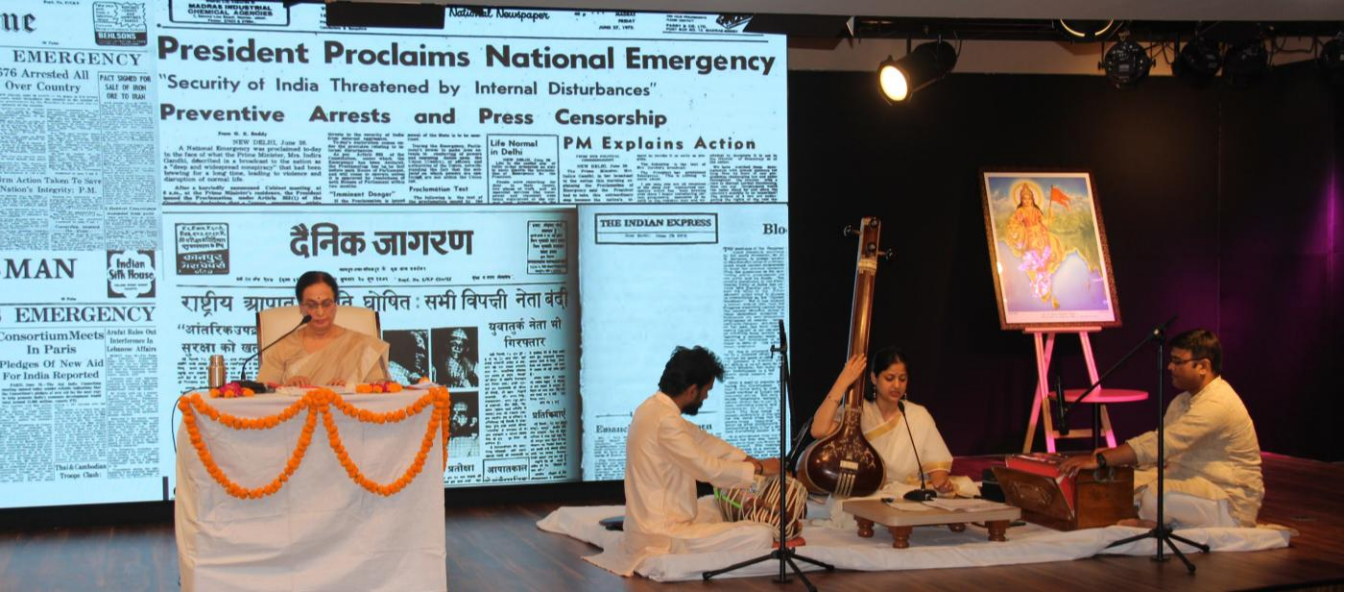
President Proclaims National Emergency
"Security of India Threatened by Internal Disturbances"
Preventive Arrests and Press Censorship
PM Explains Action
दैनिक जागरण
THE INDIAN EXPRESS

The Tribune
PRESIDENT DECLARES EMERGENCY
"Threat To Security From Internal Disorder"
Step Taken To Preserve Unity Says Zail Singh
CMs Welcome Emergency Measure
BEHLSONS

676 Arrested All Over Country
"Security of India Threatened by
Preventive Arrests and
दैनिक जागरण
Consortium Meets In Paris
Pledges Of New Aid For India Reported
Firm Action Taken To Save Nation's Integrity: P.M.
PACT SIGNED FOR SALE OF IRON ORE TO IRAN
Indian Sith House

नायक जयप्रकाश नारायण साथ में के.एस.राधाकृष्ण

भ्रष्ट
इन्दिरा गांधी
त्यागपत्र दो
इनकी लड़ाई
हमारी लड़ाई
BLACK
IN INDIAN

1979 में पटना में जय
अंतिम संस्कार के अव
वाजपेयी औ

आपातकालीन संघर्ष कथा
एक प्रेरणादायक प्रवचन
मुख्य अतिथि
माननीय नरेंद्र जी
कथावाचिका
शोभना राधाकृष्ण

"आपातकाल स्मृति"
१९७५-२०२५: ५० वर्ष

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत्।
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥